

Dharmesh nanda, Department of Geography  
Govt. Degree College, Bagaha-1 (W. Champaran)

Geography (Hons.) B.A. Part - I

Paper - I

Topic      मानव का जलवायु परिकर

Dharmesh nanda  
Assistant Professor (Guest)  
B.R.A. Bihar University, Muz

## थार्नथोर्ट का जलवायु वर्गीकरण

थार्नथोर्ट ने जलवायु पर अपना वर्गीकरण सर्वप्रथम 1931 में प्रस्तुत किया। तत्पश्चात् इसमें 1960 और परिष्कारण के बाद 1973 में संशोधन किया। वीथेन की भांति थार्नथोर्ट ने भी यह स्वीकार किया कि वनस्पति, जलवायु का सूचक होती है तथा वनस्पति पर वर्षा की मात्रा व तापक्रम का पर्याप्त प्रभाव होता है, परंतु वाष्पीकरण की भी ध्यान में रखना होगा। इसी आधार पर उन्होंने वर्षा प्रभाविता (Precipitation effectiveness) तथा तापक्रम प्रभाविता को जलवायु प्रदेशों के सीमा-निर्धारण में महत्व प्रदान किया है।

थार्नथोर्ट ने 1948 में अपने वर्गीकरण में पुनः संशोधन किया। यद्यपि इस बार भी वर्गीकरण में तीन सूचकों (वर्षा प्रभाविता, वर्षा का औसती वितरण तथा तापीय दक्षता) का प्रयोग किया, तथापि उनका प्रयोग पहले की भाँति से किया गया। इस नए वर्गीकरण में जलवायु प्रदेशों का सीमा-निर्धारण वनस्पति के आधार पर न होकर वर्षा तथा वाष्पीकरण के आधार पर किया गया है। इस प्रकार जलवायु प्रदेशों की सीमाएं मात्र जलवायु प्रदेशों से संबंधित आंकड़ों पर ही आधारित हैं, उनका संबंध वनस्पति, मिट्टी या शसि-उत्पाद, आदि भौगोलिक कारकों से नहीं होता है।

ज्ञातव्य है कि संक्रामक वाष्पोत्सर्जन का औसत आंशिक तापमान के आधार पर परिकल्पित किया जाता है व कि प्रत्यक्ष मापन किया जाता है। इसमें दिन की नमबंद 12 घण्टे तक ही मानी जाती है।

$$\text{अतः तीस दिनों के लिए } PE (\text{in cm}) = 1.6 (10 + t) e$$

$$\text{जहाँ } t = 12 \text{ महीने के लिए } (75) \times 1.5/14 \text{ का पांस}$$

$$a = 1 \text{ का एक जलित फलन}$$

$$t = \text{तापमान } (^{\circ}\text{C}) \text{ में}$$

PE के आधार पर थार्नथोर्ट ने विभिन्न जलवायु क्षेत्रों के निर्धारण के लिए विभिन्न सूचकों की परिचय की है।

आर्द्रता सूचकांक का तापमान आर्द्रता अंकन तथा आर्द्रता अधिकतम से होता है यथा  $I_m = (1000 - 60D) PE$

जहाँ  $I_m$  = मासिक आर्द्रता सूचकांक

$\delta$  = मासिक आर्द्रता अधिकतम

$D$  = मासिक आर्द्रता अंकन

इस सूत्र से परिकल्पित 12 महीनों का योग वार्षिक आर्द्रता सूचकांक बताता है तापीय दक्षता सूचकांक वास्तव में संकेतक वाष्पोत्सर्जन का सूचक है जो सेंटीमीटर में व्यक्त किया जाता है इसके परिकल्पन का वही सूत्र है जो PE के परिकल्पन का है आर्द्रता और ताप के इन सूचकांकों की सहायता से थर्मोक्लैट ने आर्द्रता संज्ञकों तथा तापीय संज्ञकों का निर्धारण किया जो निम्नलिखित हैं :

आर्द्रता सूचकांक	आर्द्रता संज्ञक	तापीय दक्षता सूचकांक (C.M)	PE/Im	तापीय संज्ञक
7100	अति आर्द्र (A)	> 114	> 44.9	बृहत्तापीय A
20 to 100	आर्द्र (B <sub>1</sub> to B <sub>3</sub> )	57-114	22.4-44.9	Mesothermal (B <sub>1</sub> से B <sub>3</sub> )
0 से 20	तर आर्द्र आर्द्र (C <sub>1</sub> )	28.5-57	11.2-22.4	Microthermal (C <sub>1</sub> to C <sub>2</sub> )
0 से 20	तर अर्द्ध आर्द्र (C <sub>2</sub> )	14.2-28.5	5.6-11.2	उष्ण (C <sub>2</sub> )
-67 to -100	अर्द्ध शुष्क (D)	< 14.2	2.5.6	शुष्क (D)
-100 to -67	शुष्क (E)			

अतः आर्द्रता सूचकांक के आधार पर नौ आर्द्रता संज्ञक का परिभाषित किया गया है (यथा A, B<sub>1</sub>, B<sub>2</sub>, B<sub>3</sub>, C<sub>1</sub>, C<sub>2</sub>, D तथा E), इसी प्रकार औसत वार्षिक तापीय दक्षता का तापीय दक्षता के ग्रीष्मकालीन मानदण्ड के आधार पर 9 तापीय संज्ञक निर्धारित किए गए हैं (यथा A, B<sub>1</sub>+B<sub>2</sub>, B<sub>2</sub>+B<sub>3</sub>, C<sub>1</sub>, C<sub>2</sub>, D तथा E)। इन दोनों संज्ञकों को पुनः आर्द्रता प्रभावित के मौसमी विभिन्नता पर विभाजित किया जाता है तापीय दक्षता के ग्रीष्मकालीन मानदण्ड से तापमान ग्रीष्मकाल के दिन महीनों के सम्बन्धित वाष्पोत्सर्जन का वार्षिक सम्बन्धित वाष्पोत्सर्जन के प्रतिशत से होता है आर्द्रता प्रभावित की

की मोलम विभिन्नता निम्न प्रकार से है:

क्र.सं.	आर्द्र जलवायु (A, B, C)	शुक्रता सूचकांक
1.	अ-धन या शून्य जल का अभाव	0-10
2.	स सामान्य शीतकालीन जलवायु	10-20
3.	स सामान्य शीतकालीन जलवायु	10-20
4.	S <sub>2</sub> अधिक शीतकालीन जलवायु	20 से अधिक
5.	W <sub>2</sub> अधिक शीतकालीन जलवायु	20 से अधिक
6.	अ-धन या शून्य जलवायु	0-16.7
7.	S सामान्य शीतकालीन जलवायु	16.7-33.3
8.	W सामान्य शीतकालीन जलवायु	16.7-33.3
9.	S <sub>2</sub> अधिक शीतकालीन जलवायु	33.3 से अधिक
10.	W <sub>2</sub> अधिक शीतकालीन जलवायु	33.3 से अधिक

तापीय दशा का शीतकालीन लान्डग के आधार पर विश्व को 8 भागों में विभक्त किया गया है:

तापीय दशा का शीतकालीन लान्डग	प्रकार	तापीय दशा का शीतकालीन लान्डग	प्रकार
1. 48.0 से कम	a	2. 48.0 से 51.9	b
2. 51.9 से 56.3	b	3. 56.3 से 61.2	b
3. 61.2 से 68.0	b	4. 68.0 से 76.3	a
4. 76.3 से 88.0	a	5. 88.0 से अधिक	a

इस प्रकार किसी भी स्थान या क्षेत्र की जलवायु उपर्युक्त जलवायु के तत्वों तथा क्षेत्रों के लक्षण के आधार पर निर्धारित की जाती है। इस तरह किसी भी स्थान या क्षेत्र की जलवायु को चार भागों में विभक्त किया जाता है उदाहरणार्थ AA' व B' जलवायु तब आर्द्र A, अर्ध-शून्य (A) जलवायु प्रिये वादिक तापीय दशा का शीतकालीन लान्डग 48 प्रतिशत से कम व' तथा जल का अभाव नून या शून्य (a) क्षेत्र है।